# ABHYAAS MAINS

## सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-II)/GENERAL STUDIES (Paper-II) (2423)

निर्धारित समय: तीन घंटे
*Time Allowed: **Three Hours***

अधिकतम अंक: 250
*Maximum Marks: 250*

### सामान्य अनुदेश

*इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 55+1 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।*

*रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।*

*पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।*

### General Instructions

*This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 55+1 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.*

*For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.*

*On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.*

---

**(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)**

पंजीकरण सं./Registration No. : 0801934

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Manisha Dharre

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English
Hindi

तारीख
Date
26/08/23

## सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-II)
## GENERAL STUDIES (Paper II)

केंद्र
Centre Bhai Joga Singh School

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

| | महत्वपूर्ण अनुदेश<br>**उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।** | **Important Instructions**<br>**Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.** |
|---|---|---|
| 1 | (क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।<br>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो। | (a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.<br>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet |
| 2 | अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो। | Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer. |
| 3 | परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें। | Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner. |
| 4 | उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है। | Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated. |
| 5 | उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है। | Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc. |
| 6 | प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें। | Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers. |
| 7 | प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। | Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated. |
| 8 | यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है। | If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued. |

| कार्यालय के प्रयोग हेतु<br>For Official Use | कार्यालय के प्रयोग हेतु<br>For Official Use |
|---|---|

परीक्षक के हस्ताक्षर
Signature of Examiner(s)

**प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))**

| प्रश्न सं.<br>Q. No. | अंक<br>Marks | | प्रश्न सं.<br>Q. No. | अंक<br>Marks | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | | 11 | | |
| 2 | | | 12 | | |
| 3 | | | 13 | | |
| 4 | | | 14 | | |
| 5 | | | 15 | | |
| 6 | | | 16 | | |
| 7 | | | 17 | | |
| 8 | | | 18 | | |
| 9 | | | 19 | | |
| 10 | | | 20 | | |
| उप-योग (A)<br>Subtotal (A) | | | उप-योग (B)<br>Subtotal (B) | | |
| सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B) | | | | | |

VISION IAS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

# ABHYAAS MAINS

## सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-II)/GENERAL STUDIES (Paper-II) (2423)

| | |
|---|---|
| निर्धारित समय: **तीन** घंटे<br>Time Allowed: **Three** Hours | अधिकतम अंक: **250**<br>Maximum Marks: **250** |

### प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

***कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:***

*कुल **बीस** प्रश्न दिए गए हैं जो **हिंदी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।*

*सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

*प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।*

*प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।*

***प्रश्न संख्या 1 से 10 तक का उत्तर 150 शब्दों में तथा प्रश्न संख्या 11 से 20 तक का उत्तर 250 शब्दों में दीजिए।***

*प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।*

*प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ भाग को पूर्णतः काट दीजिए।*

### QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

***Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.***

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

*All questions are compulsory.*

*The number of marks carried by a question/part is indicated against it.*

*Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.*

***Answers to Questions No. 1 to 10 should be in 150 words, whereas answers to Questions No. 11 to 20 should be in 250 words.***

*Keep the word limit indicated in the questions in mind.*

*Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.*

VISION IAS

# EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

**Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:**

**1.**

**2.**

**3.**

**4.**

**5.**

**6.**

**All the Best**

VISIONIAS

1. उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से, चर्चा कीजिए कि पर्यावरणीय दबाव समूह भारत में पर्यावरण नीतियों के संबंध में सार्वजनिक भागीदारी और अनुक्रियाशीलता को कैसे बढ़ाते हैं। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
With suitable examples, discuss how environmental pressure groups enhance public participation and responsiveness with regard to environmental policies in India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

पर्यावरणीय दबाव समूह, पर्यावरणीय हित समूह का भाग होते हैं जो सरकारी नीतियों, योजनाओं व कार्यक्रमों को पर्यावरण के अनुसार व संदर्भ में प्रभावित करने की कोशिश करते हैं।

पर्यावरणीय नीतियों में सार्वजनिक भागीदारी बढ़ाने में :-

(1) जागरूकता बढ़ाकर लोगों को (जानकारी) प्रदान करने का कार्य करते हैं।
[उदा० - पर्यावरण व विज्ञान केंद्र द्वारा रिपोर्ट जारी करना]

(2) सम्मेलन, आंदोलन आयोजन जिससे लोग पर्यावरणीय नीतियों के संदर्भ में सरकार से मांग करें।
[उदा० - वंदना शिवा का धान्य नवधान्य आंदोलन स्वदेशी

पादपों की मांग करना।

**अनुक्रियाशीलता बढ़ाना**

(1) विरोध प्रदर्शन, नीतियों के प्रति असमर्थ में लोगबंदी का कार्य

उदा० - झारखंड में कोयला खनन के विरुद्ध दबाव समूह

(2) सरकारी नीतियों के मूल्यांकन में

उदा० - पर्यावरण प्रभाव आंकलन नीति के संशोधन के दौरान

(3) सरकार से पर्यावरण अनुकूल नीति निर्माण हेतु मांग

उदा० - जैव विविधता संरक्षण हेतु

पर्यावरणीय दबाव समूह पर्यावरणीय न्याय को बढ़ावा देने का कार्य करते हैं किन्तु वित्त पोषण, विकास की उपेक्षा, राजनीतिकरण, अंतर्राष्ट्रीय हस्तक्षेप के कारण विवादित उद्देश्यों को भी जन्म देते हैं।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. हाल ही में, उच्चतम न्यायालय द्वारा सेक्स वर्क को एक 'पेशे' के रूप में स्वीकार किया जाना, भारत में सेक्स वर्कर्स के लिए बुनियादी अधिकार और समानता सुनिश्चित करने की दिशा में पहला कदम है। परीक्षण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

The recent acknowledgment of sex work as a 'profession' by the Supreme Court is merely the first step in ensuring basic rights and equality for sex workers in India. Examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सेक्स वर्क देह व्यापार का एक रूप है जिसमें शारीरिक संभोग के बदले पैसों की लेन-देन होता है।

**उच्चतम न्यायालय के निर्णय का महत्व**

(i) व्यापार के रूप में 'सेक्स वर्क' को शामिल किया जाना। व्यापार के सिद्धांतों का पालन हो पाएगा। (अनु० 19)

(ii) सेक्स वर्कर का शोषण रुकेगा
→ पुलिस द्वारा अथवा चकलाघरों में
→ ग्राहक द्वारा उत्पीड़न पर मामले दर्ज हो सकेगा। (अनु० 23)

(iii) स्वास्थ्य की बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच बढ़ेगी (अनु० 21)
→ HIV / AIDS के मामले कम होंगे।

(iv) पुनर्वापसी व पुनर्वास के लिए तंत्र व निगरानी तंत्र सुदृढ़ अतः द्रव्य व्यापार, हथियार तस्करी, मनी लॉन्ड्रिंग का गठजोड़ कम होगा।
(DPSP के अनु० 47)

अन्य प्रयास जो करना आवश्यक

विधायी → ट्रांसजेंडर लोगों की तरह इनके शोषण के विरुद्ध विशेष कानून आवश्यक

नीतिगत व योजनागत

→ विशेष नीति का निर्माण
→ सेक्स वर्कर की शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल-प्रशिक्षण हेतु योजना निर्माण

व्यवहारात्मक उपाय

→ लोगों को लैंगिक शिक्षा व संवेदनशील बनाना।
→ राज्य द्वारा 'स्पेशल एरिया' निर्माण जिससे अधिकारों का संरक्षण हो।

'सेक्स वर्क' समाज के अस्तित्व के साथ ही जुड़ा है अतः इसे हेतु विषय बनाने के बजाय विनियमन आवश्यक है।

3. भारत में निःशुल्क कानूनी सहायता प्रदान करने और कानूनी जागरूकता फैलाने में जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों (DLSAs) द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Discuss the role played by District Legal Services Authorities (DLSAs) in providing free legal aid and disseminating legal awareness in India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारतीय संविधान का अनुच्छेद-39 क निःशुल्क कानूनी सहायता तक प्रभावी पहुंच का प्रावधान करता है इसी संदर्भ में विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 का निर्माण किया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निः ~~शुल्क~~ शुल्क कानूनी सहायता प्रदान करने में भूमिका:—

(i) जिला अदालत, सत्र न्यायालय दीवानी अदालत, फौजदारी न्यायालय के पीड़ित पक्षों को निः ~~शुल्क~~ शुल्क कानूनी सहायता प्रदान करता

(ii) वकीलों तक प्रभावी पहुंच करवाना

(iii) सरकारी व अदालती दस्तावेजों व पेपर वर्क में प्रार्थी की सहायता

करना।

**कानूनी जागरूकता कार्य**

(i) सेमिनार, सम्मेलन, सभाओं का आयोजन जिससे कमजोर वर्ग तक कानूनी प्रावधान के प्रति जागरूकता बढ़े।

(ii) निःशुल्क विधिक सलाह का प्रावधान

(iii) मध्यस्थ के रूप में कार्य करना।

**आगे की राह**

कानूनी जागरूकता हेतु
- सोशल मीडिया इंटरनेट का प्रयोग
- PRI की मदद लेना।

सहायता प्रदान करना
- डिजिटल जानकारी देना
- पैरा लीगल कार्य का बढ़ाना

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समाज के वंचित वर्गों व संवेदनशील वर्गों तक प्रभावी पहुँच हेतु वित्तीय सहायता, तकनीक प्रयोग का सहारा लेकर बेहतर कार्य कर सकते।



उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. "कुछ लोगों के हाथों में शक्ति के संकेंद्रण के कारण, कॉलेजियम प्रणाली अपनी ही सफलता का शिकार हो गई है, जिससे इसकी वैधता पर सवाल उठने लगे हैं।" टिप्पणी कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"The collegium system has become a victim of its own success, with the concentration of power in the hands of a few, leading to questions about its legitimacy." Comment. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कॉलेजियम प्रणाली न्यायिक नियुक्ति प्रणाली का अंग है जिसमें न्यायपालिका के मुख्य न्यायाधीश व 4 वरिष्ठतम न्यायाधीश होते हैं इसका उद्भव द्वितीय न्यायाधीश केस से माना जाता है।

कॉलेजियम प्रणाली की सफलता

(i) न्यायिक नियुक्ति में राजनीतिक हस्तक्षेप को कम किया

उदा० – 1980 के दशक में नियुक्तियों का राजनीतिकरण देखा गया था

(ii) शक्ति के पृथक्करण सिद्धांत का पालन किया क्योंकि न्यायिक कार्यों में न्यायपालिका की भूमिका होनी चाहिए।

(iii) कार्यपालिका के साथ न्यायपालिका के टकराव को तटस्थ किया।

वैधता पर सवाल

(i) पारदर्शिता का अभाव क्योंकि न्यायिक नियुक्ति की सिफारिश के आधार सार्वजनिक नहीं।

(ii) नियुक्तियों में न्यायपालिका का एकाधिकार जो शक्ति पृथक्करण के कार्यपालिक कार्य में हस्तक्षेप है।

(iii) भाई-भतीजावाद, परिवारवाद व अंकल जज को बढ़ावा

[उदा.] - 254 परिवारों के बीच न्यायाधीश के पदों का वितरण उच्च न्यायपालिका में।

आगे की राह

(i) शक्ति के पृथक्करण सिद्धांत जो मूल ढांचा का पालन करना।

(ii) NJAC को स्थापित करना जिससे संतुलन हो।

(iii) न्यायाधीशों की नियुक्ति के आधार को सार्वजनिक करना।

संविधान की संरक्षण के रूप में न्यायपालिका की स्वतंत्रता मिली हुयी किंतु इसका Check & Balance भी आवश्यक है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. "सिविल सेवा सुधारों को वर्तमान दौर की चुनौतियों से निपटने के लिए भर्ती और मानकीकृत प्रशिक्षण से आगे बढ़ाया जाना अनिवार्य है।" विश्लेषण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"Civil services reforms must go beyond recruitment and standardised training to cope with the present day challenges." Analyse. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सिविल ~~सुधा~~ सेवा सुधार से आशय
सिविल सेवा की भर्ती प्रक्रिया, प्रशिक्षण, चयन, सेवा-मानदंडों, सर्विस रूल में संशोधन व परिमार्जन से है।

**सिविल सेवा की वर्तमान चुनौतियाँ**

(i) औपनिवेशिक मानसिकता के सिविल सेवक
→ रूल बेस्ड की अधिकता
→ प्रोफेशनलिज्म का अभाव
→ लालफीताशाही, नौकरशाही, भाई-भतीजावाद, राजनीतिक पूर्वाग्रह

(2) अनामिता, सत्यनिष्ठा, ईमानदारी जैसे नैतिक मूल्यों का अभाव
(3) प्रौद्योगिकी तकनीकी व विशेषज्ञता का अभाव जो IOT, ML AI जैसे क्षेत्रों में कार्य प्रगति को सीमित करता।
(4) ~~स्था~~ स्थानीय स्तर व ~~रि~~ रिमोट एरिया के प्रति जानकारी नहीं या कम

- भर्ती व मानकीकृत प्रशिक्षण की भूमिका

(i) आत्मधिक शिक्षित व ज्ञानी लोग सिविल सेवा में आते, विविध विषयों का अध्ययन

(ii) प्रशिक्षण के दौरान अनुभव व फील्ड वर्क द्वारा सीखाया जाना

अन्य उपायों की ओर बढ़ना

(i) भावनात्मक बुद्धिमता सिखाना ताकि जनता से संवाद बेहतर, समस्या के प्रति समाधानवादी नजरिया।

(ii) सामान्य से विशेषज्ञ की ओर बढ़ना ताकि वर्तमान युग की समस्या समाधान हो

(iii) ब्यूरोक्रेट से टेक्नोक्रेट व टेक्नो-फ्रेंडली हो → सर्विस डिलीवरी तीव्र, कुशल → लाभार्थी चयन बेहतर होगा

(iv) नैतिकता का शामिल करना

सिविल सेवा सुधार हेतु 2nd ARC, होता समिति, बासवान समिति ने व्यापक सिफारिश की हुयी उन्हें लागू करने का प्रयास करना चाहिए।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6. सामाजिक प्रभाव बॉण्ड्स जैसे परिणाम-आधारित वित्त मॉडल में वास्तविक रूप से परिवर्तन लाने और बड़े पैमाने पर सामाजिक-आर्थिक प्रभाव उत्पन्न करने की क्षमता विद्यमान है। विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Outcome-based finance models such as social impact bonds have the potential to truly catalyse change and deliver socio-economic impact at scale. Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सामाजिक प्रभाव बॉण्ड्स वितीय बाजार के उपकरण है जो उन क्षेत्रों में निवेश का विकल्प प्रदान करते है जो सामाजिक विकास, सुधार व प्रगति की दिशा में कार्य करे।

उदा०- कंपनी द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में निवेश हेतु धन जुटाना।

परिवर्तन के एजेंट के रूप में

(i) वित्त का निश्चित स्त्रोत उपलब्ध अतः परियोजना की नियमितता बनी रहेगी।

(ii) कार्य- संस्कृति को बेहतर करेगा व प्रोफेशनलिज्म को बढ़ावा देगा।

(iii) निगरानी व आलोचना तंत्र बेहतर अतः सामाजिक प्रभाव आकलन में सुधार होगा

सामाजिक-आर्थिक प्रभाव उत्पन्न करेगा

(i) कमजोर व संवेदनशील वर्गों को शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल, प्रशिक्षण इत्यादि का लाभ मिलेगा।

(ii) रोज़गार सृजन → आय प्राप्ति → जीवन स्तर में सुधार → HDI रैंक बेहतर होगी

(iii) मानव संसाधन विकास व सामाजिक पूंजी का निर्माण होगा।

(iv) साख बढ़ेगी।

उपाय

(i) सामाजिक प्रभाव बॉन्ड्स की लोकप्रियता बढ़ाने हेतु स्थानीय निकायों व NGO का प्रयोग करना।

(ii) सोशल इंटरप्राइज व स्टार्टअप को सहयोग देना

(iii) पारदर्शिता बढ़ाना तथा वित्त उपलब्धता का मंच प्रदान करवाना।

सामाजिक प्रभाव बॉन्ड्स बदलती व्यवस्था का वित्त मॉडल है जिसमें व्यापक संभावना है।

7. प्रत्येक वर्ष ग्रेजुएट होने वाली और कार्यक्षेत्र में प्रवेश करने वाली महिलाओं की संख्या के मध्य का व्यापक अंतराल एक गंभीर समस्या है जिसे हल किए जाने की आवश्यकता है। भारत के संदर्भ में चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

The wide gap between the number of females graduating every year and those entering the workspace is an issue of paramount importance that needs to be addressed. Discuss in the context of India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारतीय महिलाओं की साक्षरता दर 64.9% (जनगणना-2011) है तथा कार्यबल में भागीदारी लगभग 30% (PLFS) है जो एक विरोधाभास प्रकट करता है।

गंभीर समस्या व कारण

(i) कार्यस्थल में महिलाओं की भागीदारी कम अतः लैंगिक असमानता

(ii) पितृवंशीयता, ~~पितृवंशीयता~~, पितृजता, पितृस्थानीकता के कारण

→ महिलाएं शिक्षा के लिए शहरों में चली जाती किंतु रोज़गार हेतु नहीं

→ महिलाओं को काम पर भेजना गलत माना जाना (19% परिवारों की मान्यता)

(iii) कार्यस्थल पर लैंगिक शोषण व उत्पीड़न।

(iv) शादी के बाद कार्यबल से बाहर होना तथा हाउस वाइफ की भूमिका निभाना

(v) अन्य कारक → महिलाएं उच्च शिक्षा में बढ़ रही अतः उच्च आय वाली नौकरी की तलाश में स्वैच्छिक बेरोज़गारी

(vi) लैंगिक वेतन अंतराल

**सरकारी प्रयास**

(i) POSH अधिनियम के तहत आंतरिक शिकायत समिति व SHe-Box स्थापना।

(ii) लैंगिक वेतन अंतराल को कम करते हुए (DPSP-39 D को लागू किया)

(iii) Startup-seed Fund व Stand up India में महिलाओं को प्राथमिकता

**अन्य आवश्यक प्रयास**

(i) कार्यस्थल को लैंगिक संवेदनशील बनाना जैसे शौचालय, क्रेच सुविधा।

(ii) सामाजिक सुरक्षा का प्रावधान करना।

IMF ने स्वीकार किया की कार्यबल में महिलाओं के बढ़ने से GDP में 27% तक वृद्धि संभव है।



उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

8. भारत में सामाजिक-आर्थिक नियोजन के लिए एक अद्यतित और कार्यात्मक नागरिक पंजीकरण प्रणाली (CRS) अनिवार्य है। देश में CRS प्रणाली में सुधार हेतु केंद्र सरकार के हालिया कदम के आलोक में चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

An up to date and functional Civil Registration System (CRS) is essential to the socio-economic planning in India. Discuss in the light of the recent move of the Central government in revamping the CRS system in the country. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

पश्चिम एशिया के साथ भारत के संबंध हड़प्पा सभ्यता से वर्तमान समय तक विभिन्न कारकों द्वारा संचालित है जिनमें से प्रमुख भू-राजनीति व भू-अर्थशास्त्र के आयाम है।

पश्चिम एशिया के साथ भू-राजनीति का संबंध :-

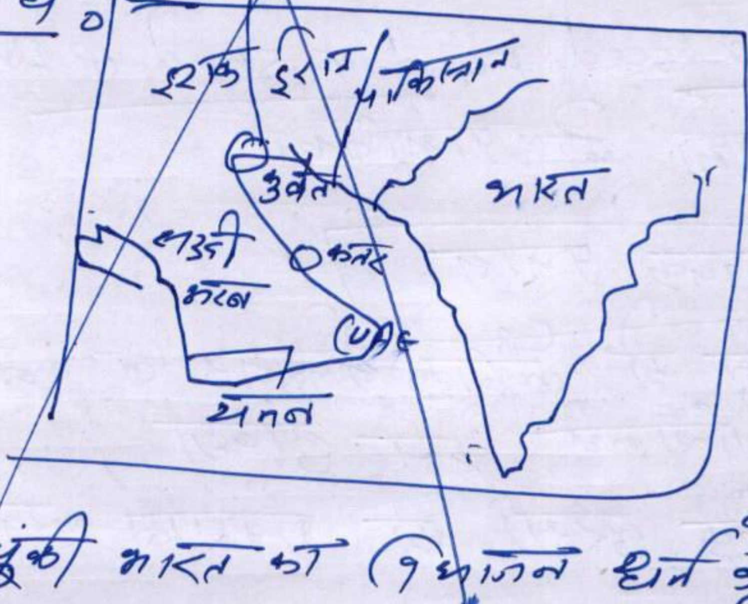


(i) चूंकि भारत का विभाजन धर्म के आधार पर हुआ था अतः इस्लामिक देशों के साथ बेहतर बनाकर पाकिस्तान के साथ संबंध बेहतर बनाना।

(iii) नागरिक पंजीकरण प्रणाली नागरिकों के डेटाबेस की एक व्यवस्था जिसमें इनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति की जानकारी दी गई।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

**सामाजिक व आर्थिक नियोजन हेतु**

- आवश्यकता व योग्यता आधारित रोज़गार
- कौशल, प्रशिक्षण, रिस्कलिंग की व्यवस्था करना
- नागरिक व कंपनी के औचित्य के रूप में कार्य करना
- आवश्यक सरकारी हस्तक्षेप करना

**केंद्र-सरकार के हालिया कदम**

(i) नागरिक पंजीकरण प्रणाली का निर्माण किया गया तथा कार्यबल व श्रमबल में शामिल लोगों का उनका पंजीकरण करवाया जा रहा।

(ii) ~~[illegible]~~ नियोक्ता वर्ग को इनकी पहुँच प्रदान की जा रही ताकि नियोजन किया जा सके।

अर्थव्यवस्था की क्षमता का दोहन करने में नागरिक पंजीकरण प्रणाली महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

9. यदि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) को वर्तमान आर्थिक वास्तविकताओं के साथ समायोजित होना है तो इसमें सुधार के प्रमुख क्षेत्र कौन-से होंगे? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What are the key areas of reform if the International Monetary Fund (IMF) has to align with the current economic realities? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

IMF की स्थापना सन् 1945 में अंतर्राष्ट्रीय वित्त व्यवस्था के सुचारू संचालन व मौद्रिक व्यवस्था की सुदृढ़ता स्थापित करने हेतु की गयी थी।

IMF के सुधार के क्षेत्र

(i) कार्यकारी बोर्ड में → इस संस्था में विकासशील व अल्पविकसित देशों का प्रतिनिधित्व नगण्य है अतः कार्यों को लेकर एकतरफा झुकाव दिखता है

(2) ऋण व्यवस्था में →
त्वरित व अल्पकालिक ऋण सुविधा में IMF पीड़ित देशों के ऊपर अपनी एकतरफा शर्तें आरोपित करता जिससे देशों की वित्तीय संप्रभुता का हनन होता [उदा०] श्रीलंका का हालिया संकट

(3) कोटा व्यवस्था में देशों की अके वितीय स्थिति अथवा आकार के आधार पर ध्यान न देकर कोटा के के लिए रिज़र्व ड्रेच में रखी राशि के आधार पर कोटा आवंटित करना।

(4) रिज़र्व करेंसी अब मुद्रा बास्केट में केवल पांच देशों की मुद्राएं जैसे अमेरिकन डॉलर, यूरो, पाउंड, येन, रेनमिनबी जबकि भारत 5th सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

आगे की राह

(i) अंतर्राष्ट्रीय वितीय संस्था के रूप में IMF के इन क्षेत्रों में संशोधन अनिवार्य है व अतिरिक्त कदम के रूप में

→ पर्यावरण के अनुकूल वितपोषण व ऋण को बढ़ावा देना

→ विकासशील देशों की सक्षमता निर्माण में सहायता करना।

IMF जैसी संस्थाएं अंतर्राष्ट्रीय शासन व्यवस्था की महत्वपूर्ण धारक है अतः इसे किसी एक देश के हित से संचालित न होकर वसुधैव कुटुम्बकम का पालन करना चाहिए।


www.visionias.in
उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

10\. हाल के वर्षों में, पश्चिम एशिया के साथ भारत के संबंध भू-राजनीति के दायरे से आगे निकलकर भू-अर्थशास्त्र के आयाम तक पहुंच गए हैं। विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
In recent years, India's relationship with West Asia has evolved from the confines of geopolitics to expanse of geoeconomics. Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत के पश्चिम एशिया के साथ संबंध हड़प्पा सभ्यता से वर्तमान समय तक विभिन्न कारकों द्वारा संचालित रहे जिनमें प्रमुख भू-राजनीति व भू-अर्थशास्त्र है

भू-राजनीतिक संबंध

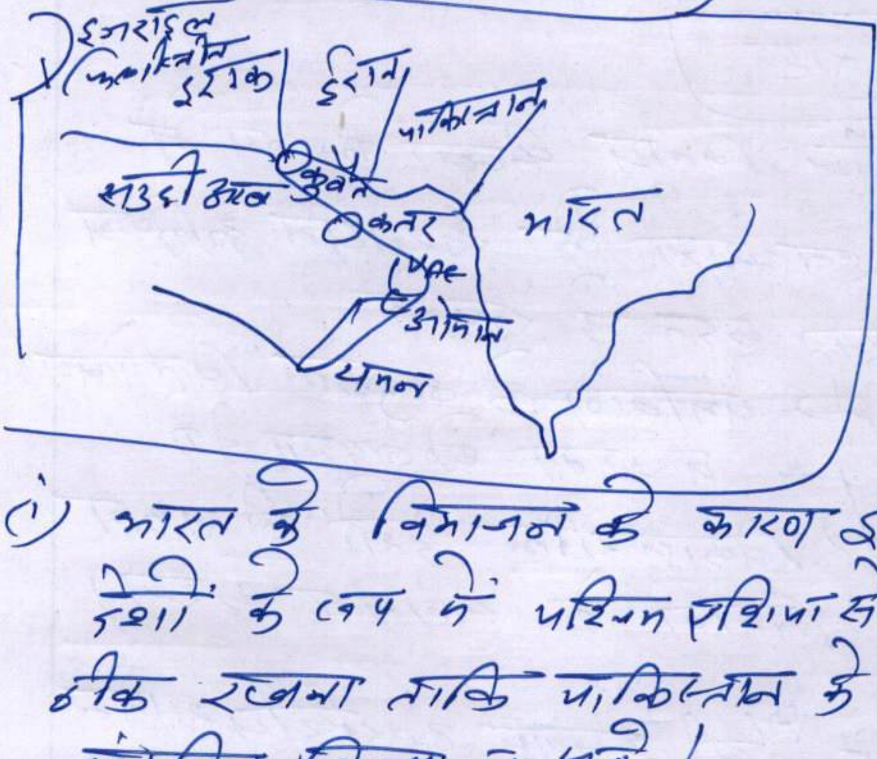


(i) भारत के विभाजन के कारण इस्लामिक देशों के रूप में पश्चिम एशिया से संबंध ठीक रखना ताकि पाकिस्तान के हितों को संतुलित किया जा सके।

(ii) इजराइल को स्पष्ट मान्यता आरंभिक स्तर पर नहीं दिया क्योंकि इससे अन्य इस्लामिक देशों के संबंध खराब होने का भय।

(iii) यूरोप से संबंध के लिए पश्चिम एशिया ब्रिज के रूप में।

## भू-अर्थशास्त्र के आयाम तक संबंध

(i) ~~किसा~~ टू-स्टेट सॉल्यूशन का विकल्प प्रदान करते हुए इजराइल से प्रौद्योगिकी सहायता व सहयोग स्थापित करना।

(ii) ईरान में चाबहार बंदरगाह निर्माण ताकि मध्य एशिया तक पहुँच बढ़े।

(iii) ऊर्जा के लिए तेल व गैस के संदर्भ में पश्चिमी देशों में भी विविधीकरण जैसे - UAE, ईरान, इराक, सऊदी अरब।

(iv) व्यापार विविधीकरण हेतु UAE के साथ समझौता व व्यापक आर्थिक भागीदारी

(v) आंतरिक प्रेषण का दोहन करना

(vi) अर्द्ध-कुशल श्रमिकों का नियोजित करना

पश्चिम एशिया के प्रति भारत का दृष्टिकोण राष्ट्रहित के अनुसार परिवर्तित हुआ है जिससे संबंधों में प्रगाढ़ता व विस्तार भी ~~ब~~ बढ़ा है।



उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

11. हितधारकों को नवाचार और प्रभावशीलता में वृद्धि हेतु प्रेरित करने के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने में भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) की भूमिका महत्वपूर्ण है। टिप्पणी कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

The role of the Competition Commission of India (CCI) is significant in furthering healthy competitiveness aimed at inspiring stakeholders to innovate and augment effectiveness. Comment. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारतीय ~~प्रति~~ प्रतिस्पर्धा आयोग की स्थापना प्रतिस्पर्धा आयोग अधिनियम, 2003 के तहत की गई जिसका उद्देश्य व्यापारिक एकाधिकार को रोकना तथा व्यापारिक प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करना है।

भूमिका

(i) व्यापारिक एकाधिकार को रोकता है जिससे कंपनियां नए उत्पादों को नवाचार का विकल्प ढूंढती अतः नवाचार को बढ़ावा

उदा — मोबाइल व दूरसंचार क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा

(ii) ग्राहक की मांग को महत्व दिया जाना जिससे ग्राहक अनुकूल उत्पादों व सेवाओं का निर्माण जिससे

गुणवत्ता को बढ़ावा मिलता।

(iii) सामग्री व रॉ मटेरियल की क्वालिटी का ध्यान जिससे उत्पादों की प्रभाव-शीलता में वृद्धि

[उदा०] कॉस्मेटिक्स के शुगर कंपनी के प्रोडक्ट।

(iv) गड़बड़ी व करप्शन को रोकना जिससे लागत प्रभावी उत्पाद व पारदर्शिता बनी रहती।

(v) न्यायिक वादों व विवादों को अभियोजित कर अनुबंध लागू करवाना जिससे कंपनी की प्रभावशीलता व सर्विस डिलिवरी समय पर बनी रहती।

(vi) स्पष्ट मानक, दिशा निर्देशों को प्रसारित करना व अधिसूचना जारी करना जिससे कॉर्पोरेट गवर्नेंस को बेहतर किया जा सके।


www.visionias.in
उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सुधार व सुदृढ़ता हेतु कदम

(i) भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग को कर्मचारी, वित व कार्यों में अधिक स्वायत्तता प्रदान करना।

(ii) आयोग में समावेशन करना
→ नागरिक समाज,
→ SC/ST/OBC/महिला वर्ग।

(iii) नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता व जवाबदेहिता बढ़ाना।

(iv) कार्पोरेट गवर्नेंस को प्रोत्साहित करना।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग की भूमिका भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में अधिक बढ़ गयी क्योंकि स्वस्थ व स्वच्छ प्रतिस्पर्धा अमृतकाल में बनी हुई है।



उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

12. "पेड न्यूज का खतरा अक्सर चुनावों के दौरान अपना भयावह रूप दिखाता है।" भारत में पेड न्यूज को एक चुनावी अपराध बनाने की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
"The menace of paid news often rears its ugly head during elections." Discuss the need for making paid news an electoral offence in India. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

'पेड न्यूज' को एक ऐसे कृत्य के रूप में देखा जाता है जो राजनीतिक छवियों को गढ़ने अथवा बिगाड़ने के अथवा राजनीतिक दलों के हित में वित के बदले सूचना प्रसारित करने का कार्य करता है।

पेड न्यूज भयावह रूप में:

(1) राजनीतिक छवियों का निर्माण
(2) जनता की राय को परिवर्तित करना।
(3) मतदाता व मतदान व्यवहार को आकार देने में।
(4) सत्तावादी अथवा विपक्ष के विरुद्ध आक्रामक व विध्वंसात्मक कार्यों को बढ़ावा देते।
(5) जातिवाद, क्षेत्रवाद, सांप्रदायिकता बढ़ाने में।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

चुनावी अपराध बनाने की आवश्यकता

(1) धन बल का प्रयोग चुनावों में बढ़ता जो संविधान के स्वच्छ व स्वतंत्र चुनाव के विपरीत है

(2) समता के सिद्धांत का उल्लंघन है, क्योंकि अन्य चुनावी प्रत्याशियों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ता।

(3) जनता के सूचित निर्णय लेने व जानने के अधिकार के मौलिक अधिकार का हनन। जिससे

(4) स्वस्थ लोकतंत्र के प्रतिकूल व्यवस्था जो लोगों का शासन न होकर शक्तिशाली वर्ग की व्यवस्था बनकर रह जाती।

(5) चुनाव आयोग को उचित कार्यवाही हेतु शक्ति मिलेगी तथा पुलिस राजनीतिक हस्तक्षेप के विरुद्ध भी मामला दर्ज कर सकती।

(6) मामलें न्यायिक अदालत में होंगी अत: राजनीतिक न्याय को बढ़ावा मिलेगा।

उपाय

(i) भारतीय प्रेस परिषद को पेड न्यूज के विरुद्ध स्व-नियामक व्यवस्था का पालन प्रेस से करवाना

(ii) निर्वाचन आयोग को और अधिक प्राधिकार ताकि → सोशल मीडिया
→ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में पेड न्यूज को रोका जाए

(iii) राजनीतिक दलों व उम्मीदवारों को आचार संहिता व नीति संहिता का पालन करना अनिवार्य करवाना।

पेड न्यूज के विरुद्ध कार्यवाही हेतु 2nd ARC व वोहरा समिति ने भी सिफारिशें की हैं उन पर भी ध्यान दिया जा सकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

13. भारत में धार्मिक प्रथाओं के संदर्भ में, न्यायालयों द्वारा उद्धृत 'अनिवार्यता के सिद्धांत' पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
Discuss the 'Doctrine of Essentiality' referred to by the courts in the context of religious practices in India. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

न्यायालय द्वारा 'अनिवार्यता का सिद्धांत' इन निर्देशों व मूल्यों को अनिवार्य व आवश्यक मानता है जो धर्म के अनिवार्य घटक रहे हों।

न्यायिक निर्णय का महत्व

(i) धर्म के अनिवार्य अंग व घटक स्पष्ट होने से धार्मिक प्रथाओं के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

उदा० मस्जिद को इस्लाम का अनिवार्य अंग नहीं माना

(२) लैंगिक समानता को बढ़ावा मिलेगा
जैसे - ईसाई समाज ने पति की मृत्यु के पश्चात संपत्ति पर पत्नी का अधिकार न मान कर भाई अथवा भतीजे का माना जाता।

(3) धर्मनिरपेक्ष प्रथाओं व गैर-धार्मिक प्रथाओं में राज्य का हस्तक्षेप व प्रभाव बढ़ेगा जिससे सामाजिक-आर्थिक न्याय को महत्व मिलेगा।

[उदा०] शिरूर मठ मामले में अनिवार्यता का सिद्धांत।

(4) समाज की कुप्रथाओं व रूढ़ियों में संशोधन संभव जैसे- सबरीमाला मंदिर में रजोधर्म से गुजरने वाली महिलाओं को भी प्रवेश दिया गया। (सबरीमाला मंदिर मामला)

(5) राज्य की धर्मनिरपेक्ष छवि को मजबूती मिलेगी।

(6) समानता के सिद्धांत को बढ़ावा मिलेगा [उदा०] हिजाब मामले में हिजाब को अनिवार्य नहीं माना जिससे स्कूलों में समानता को बढ़ावा मिलेगा।



उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

चिंता के विषय भी

(i) न्यायिक अतिरेक की संभावना

(ii) धर्मनिरपेक्ष राज्य की छवि पर प्रश्न उठने लगेगा।

(iii) धर्म की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन संभव होगा।

(iv) संस्कृति को संरक्षित रखने के अधिकार (अनु० 29) का हनन होगा।

आगे की राह

(i) धर्म व राज्य की भारतीय धर्मनिरपेक्षता में स्थिति आपरजैप होती है अतः प्रयास रहे कि धर्मनिरपेक्षता व धर्म की स्वतंत्रता बनी रहे।

(ii) धर्म के प्रति लोगों की गलत धारणाओं, रूढ़ियों, परंपराओं को कम करने का कार्य धार्मिक नेताओं द्वारा किया जाए।

भारतीय संविधान धर्मनिरपेक्षता को मूल ढांचा मानता है तथा धर्म की स्वतंत्रता भी है अतः संतुलन बहतर होगा।



उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

14. प्रधान मंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (EAC-PM) की हाल ही में जारी रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सरकार के आकार को सीमित करने की तत्काल आवश्यकता है। क्या आप सहमत हैं? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

As per the recently released report of the Economic Advisory Council to the Prime Minister (EAC-PM), there is an urgent need to limit the size of the government in India. Do you agree? (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

वर्तमान सरकार के नीतिगत आदर्श ~~न्यूतम~~ न्यूनतम सरकार-अधिकतम शासन के अनुरूप प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद ने रिपोर्ट जारी की है।

**तत्काल आवश्यकता के पक्ष में तर्क**

(i) अत्यधिक मंत्रियों व कार्यपालिक कर्मचारी ने राजस्व व्यय बढ़ाने का कार्य किया

(ii) संसाधनों का दुरुपयोग होता, जैसे- सरकारी वाहन, स्वास्थ्य भत्ता, पेंशन, सुरक्षा व्यवस्था

(iii) कार्यों का अतिव्यापन जैसे बिजली मंत्रालय, कोयला मंत्रालय,

नवीन व नवीकरणीय मंत्रालय सभी ऊर्जा के लिए ही कार्य करते व सामंजस्य का अभाव है।

(iv) पद लोलुपता, भ्रष्टाचार, क्रोनी-पूंजीवाद कम होगा।

(v) दल-बदल को कम करेगा तथा राजनीतिक जोड़-तोड़ हतोत्साहित होगा जैसे- मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री इत्यादि के समानांतर पद का प्रचलन करना।

(vi) संसाधन व प्राधिकरण का केंद्रीकरण होगा जिससे उत्कृष्टतम दोहन संभव होगा।

(vii) विश्वास व चर्चा को बढ़ावा मिलेगा

विपक्ष में तर्क

(i) 1.40 अरब ~~प्रतिनिधि~~ जनसंख्या को केवल संसद की 15% जनसंख्या द्वारा कार्यकारी सेवा देना आनुपातिक रूप से सही नहीं होगा।

(ii) शक्ति व संसाधनों का अतिरेक निरंकुशता व तानाशाही का बढ़ावा देगा।

(iii) कार्यों का अत्यधिक बोझ होगा तथा क्षेत्र विशिष्ट जानकारी की अज्ञानता को जनता को नुकसान होगा।

(iv) समावेशी व प्रभावी सरकार के निर्माण हेतु अधिकतम सरकार की आवश्यकता

संतुलन के प्रयास

(i) जनसंख्या के अनुरूप कार्यपालिका को प्रतिनिधित्व करना चाहिए।

(ii) पारदर्शिता व जवाबदेहिता बढ़ाना तथा

(iii) शासन में प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप का प्रयोग
- प्रगति पोर्टल
- pm गति शक्ति पोर्टल

संविधान के कल्याणकारी राज्य के आदर्श को परिपूर्ण करने हेतु अधिकतम शासन जन कल्याण हेतु अनिवार्य है अतः आवश्यकता व सरकार का आकार भी आवश्यकता व विशिष्टता अनुरूप वांछनीय है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

15. इंस्टीट्यूशंस ऑफ एमिनेंस (IoE) योजना की कल्पना भारत में उच्चतर शिक्षा के 'विश्व स्तरीय' केंद्र विकसित करने के लिए की गई थी, लेकिन छह साल बाद भी, यह अभी तक गेम चेंजर नहीं बन पाई है। विवेचना कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

The Institutions of Eminence (IoE) scheme was conceived to develop 'world-class' centres of higher education in India but six years later, it is yet to become the game changer it was intended to be. Discuss. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इंस्टीट्यूशंस ऑफ एमिनेंस योजना की शुरुआत बजट 2017 में की गयी था ताकि उच्च शिक्षा में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व विश्वस्तरीय संस्थाओं का निर्माण किया जा सके। किंतु यह अधिक प्रभावी नहीं रही।

**कारण**

(i) उच्च शिक्षा संस्थाओं में अभी भी वित्त के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ग्रांट पर निर्भरता अत्यधिक है अतः वित्तीय स्वायत्तता नहीं।

(2) विश्वविद्यालयों से संबद्ध होने के कारण पृथक सत्र, सिलेबस, पाठ्यक्रम प्रशिक्षण, परीक्षा का आयोजन संभव

नहीं।

[3] शोध व विकास पर निम्न व्यय ने प्रौद्योगिकीय जड़ता को स्थापित किया।

[4] आधारभूत ढाँचा अभी भी जर्जर स्थिति में अतः विदेशी विद्यार्थियों शिक्षा संस्थाओं में प्रवेश लेने को उत्साहित नहीं होते।

[5] अध्ययन - अध्यापन के सीमित दोषों का पालन किया जाना।

[6] संस्थाओं का राजनीतिकरण किया जा रहा।

## कदम जो आवश्यक है

[1] इंस्टीट्यूशंस ऑफ एमिनेंस योजना की कमियों को स्पष्ट रेखांकित करते हुए इनमें सुधार करना तथा संशोधित योजना को लागू करना।

[2] अकादमी - उद्योग सहयोग को बढ़ावा देना जिससे बाजार मांग के अनुरूप मेच्योर ग्रेजुएट पास आउट हों।



उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

[3] विदेशी शिक्षा संस्थाओं का भारत में प्रवेश हुआ है अतः उनकी प्रबंधन व प्रौद्योगिकी का सहयोग लेना व अनुभव प्राप्त करना।

[4] NAAC द्वारा मान्यता प्राप्त करना अनिवार्य शिक्षा करना।

भारत जनसांख्यिकीय लाभांश के कारण ~~कार्य~~ कुशल कार्यबल की राजधानी के रूप में स्थापित होने की ~~सक्षम~~ क्षमता रखता है जो उच्च शिक्षा के विश्वस्तरीय गुणवत्ता के बिना संभव नहीं होगा अतः उपर्युक्त प्रयास आवश्यक है।



उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

16. डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI) नवोन्मेषी और सुविधाजनक सार्वजनिक सेवाओं की अनुमति देता है, समावेशन या पहुंच संबंधी बाधाओं को दूर करने में मदद करता है तथा रियल-टाइम डेटा की मदद से पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाता है। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
Digital Public Infrastructure (DPI) allows for innovative and convenient public services, help overcome inclusion or accessibility barriers, and increase transparency and accountability with real-time data. Discuss with examples. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर

डिजिटल रूप में सार्वजनिक अवसंरचना के निर्माण को संदर्भित करने वाली व्यवस्था है जो सभी के लिए समान रूप से उपलब्ध होती है।

उदा० → COWIN-APP
→ DIKSHA APP

लाभ

1) नवाचार को बढ़ावा तथा लोगों की प्रभावी पहुँच सुनिश्चित करता है
जैसे - Aadhar डेटा द्वारा PDS से खाद्यान्न मिलना।

2) लोगों के कमजोर वर्गों तक भी समान व निःशुल्क रूप में पहुँचाना
उदा० - Bhim APP

13 वास्तविक स्थिति की रियल टाइम जानकारी होने से पारदर्शिता व जवाबदेहिता को बढ़ावा मिलता

उदा० - मनरेगा का डिजिटल मस्टर रोल

14 हाशिये पर स्थित समूह व रिमोट एरिया के लोगों की जानकारी व स्थिति को शामिल करता।

उदा० Aadhar डेटा

15 नागरिक सेवाओं को पहुँचाने का कार्य त्वरित व प्रभावी रूप से करता तथा

उदा० UPI व DBT के तहत लाभ हस्तांतरण

16 भ्रष्टाचार व लालफीताशाही को कम करता

उदा० प्रगति पोर्टल

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्रभावी बनाने हेतु प्रयास

(i) डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करना

[उदा] डेटा सुरक्षा विधेयक पारित करना।

(2) साइबर सुरक्षा को बढ़ाना

(3) इंटरनेट कनेक्टिविटी, डिजिटल अंतर पाटना व डिजिटल साक्षरता बढ़ाने का प्रयास करना

(4) स्वदेशी सॉफ्टवेयर व हार्डवेयर निर्माण को प्रोत्साहित जिससे औद्योगिक क्रांति 4.0 में संप्रभुता को बढ़ावा भी मिले।

वर्तमान के तकनीकी युग में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर महत्वपूर्ण है क्योंकि ये देशों की तकनीकी संप्रभुता व साइबर संप्रभुता बढ़ाने के साथ ही समावेशी विकास को ~~बढ़ाने~~ चरितार्थ करने में सक्षम है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

17. कानून के अलावा, भारत में 'सभी के लिए स्वास्थ्य के अधिकार' की पूर्ण प्राप्ति हेतु सामाजिक, वित्तीय और बुनियादी ढांचे की कमियों को दूर करने की आवश्यकता है। परीक्षण कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
Besides legislation, the full realisation of the 'right to health for all' in India demands plugging of social, financial, and infrastructural gaps. Examine. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारतीय न्यायपालिका ने अनुच्छेद-21 के तहत गरिमापूर्ण जीवन में स्वास्थ्य के अधिकार को मान्यता प्रदान की है तथा राज्य का नीति निदेशक तत्व अनु० 47 के तहत सभी के स्वास्थ्य के अधिकार को प्रकट करता है।

कानून द्वारा मान्यता देना

[1] राज्य की विधिक जिम्मेदारी होगी तथा नैतिक जिम्मेदारी के साथ दृढ़ता प्राप्त करेगी।

[2] विधिक अधिकार के रूप में नागरिक दावा कर सकते।

[3] कमजोर वर्गों का सशक्तीकरण होगा

[4] न्यायपालिका द्वारा अधिकारों का संरक्षण होगा।

• किंतु 'सभी के लिए स्वास्थ्य के अधिकार' को सुनिश्चित करने हेतु अन्य बाधाओं को भी देखना आवश्यक है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सामाजिक बाधाएं

(1) लैंगिक पूर्वाग्रह महिलाओं के स्वास्थ्य का महत्व नहीं।

(2) अज्ञानता, कुपोषण, एनीमिया जैसी स्थिति लोगों को दुर्बल बनाती।

(3) शिक्षा कम होने से जागरूकता नहीं।

(4) जातिवाद व सांप्रदायिक निर्योग्यताएं

[वित्तीय बाधा] → GDP का केवल 1.5% खर्च होता जबकि राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति में 3% खर्च का लक्ष्य

↳ इतने भी 31% शहरी सुविधाओं पर 70% जनसंख्या व्यय होता जबकि ग्रामीण आबादी को लाभ मिलता।

[बुनियादी ढांचा]

→ पहुँच हेतु परिवहन नहीं, सड़कों का ग्रामीण जाल कम अतः अस्पताल तक पहुंचना कठिन।

→ प्रति डॉक्टर 1445 लोगों के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी (WHO मानक से कम) तथा ग्रामीण क्षेत्र में स्थिति दयनीय

[उपाय]

- **सामाजिक**
  - शिक्षा
  - पोषण सुरक्षा
  - जाति भेदभाव कम करना
- **वित्तीय**
  - → व्यय बढ़ाना
  - → वितरणात्मक न्याय करना
- **अवसंरचना**
  - → ग्रामीण व दूरस्थ क्षेत्रों में सुविधा पहुँचाना।

[कानूनी]

→ स्वास्थ्य के अधिकार को मूल अधिकार के रूप में मानना व सेवाओं हेतु कानून बनाना (उदा.) राजस्थान सरकार का हालिया स्वास्थ्य करना।

भारत ने स्वास्थ्य सतत विकास लक्ष्य - 3 के तहत सभी के स्वस्थ जीवन व स्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की है अतः इस दिशा में प्रयास आयुष्मान भारत योजना के रूप में आवश्यक है।

18. विधायी समर्थन के बावजूद 'थर्ड जेंडर' को अभी तक भारतीय समाज में मान्यता नहीं मिली है। विश्लेषण कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
The 'third gender' has not yet been engendered in the Indian society despite legislative nudge. Analyse. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

थर्ड जेंडर को सुप्रीम कोर्ट द्वारा मान्यता प्रदान की गयी जो LGBTQIA+ समुदाय का प्रतिनिधित्व करता है।

ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों के संरक्षण) अधि० 2019 के तहत प्रावधान

(1) तृतीय लिंग की पहचान को स्पष्ट करना व स्व-चिह्नित करने की स्वतंत्रता

(2) इन्हें OBC वर्ग के तहत शैक्षणिक ~~व निया~~ संस्थाओं में व नियोजन में आरक्षण मिलेगा।

(3) जिला कलेक्टर द्वारा इन्हें जेंडर प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा।

(4) परिवार के साथ रहने, संपत्ति का उत्तराधिकार पाने व घर में सह-वास

का अधिकार मिला है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारतीय समाज में मान्यता नहीं मिलने के कारण :—

(i) पारंपरिक रूढ़ियों, परंपराओं व प्रथाओं में इन्हें व्यक्ति के तौर पर स्वीकार नहीं किया जाना

[2] समलैंगिकता को मानसिक रोग माना जाना

[3] सामाजिक दुराग्रह द्वारा इनका शोषण किया जाना

[4] इनकी सामाजिक- आर्थिक स्थिति कमज़ोर अत: सम्मान नहीं मिलता।

[5] शिक्षा व स्वास्थ्य तक प्रभावी पहुँच नहीं [उदा] HIV / AIDS की सुभेद्यता

[उपाय]

(i) समाज को लैंगिक संवेदनशीलता व लिंग साक्षरता प्रदान करना

(2) थर्ड जेंडर को शिक्षा के पर्याप्त अधिकार देना

(उदा०) उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा ट्रांसजेंडर लोगों हेतु विश्वविद्यालय निर्माण

(3) समलैंगिकता को अपराध नहीं मानना

(उदा) ~~IPCC को~~ - IPC-1860 की धारा 377 को अपराधमुक्त किया गया

(4) नियोजन व कौशल प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करना

(उदा.) IAS डरा सिंघल द्वारा ट्रांसजेंडर कर्मचारी को कार्यालय में नौकरी

(5) ~~लैंगिक~~ तटस्थ आवरण ग्रहण करना।

भारतीय समाज की विविधता के रूप में थर्ड जेंडर को स्वीकार करते हुए उन्हें समावेशी विकास की अवधारणा में शामिल करने हेतु सामाजिक जागरूकता सुनिश्चित करना चाहिए।



उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

19. अन्य कारकों के अलावा, चीन और पाकिस्तान के साथ तनावपूर्ण संबंधों ने भारत के लिए शंघाई सहयोग संगठन (SCO) से अपनी अपेक्षाओं को पूरा करना कठिन बना दिया है। विवेचना कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
Among other factors, strained ties with China and Pakistan make it difficult for India to fulfill its expectations from the Shanghai Cooperation Organisation (SCO). Discuss. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

शंघाई सहयोग संगठन मध्य एशिया के देशों व रूस, चीन व भारत के बीच गठबंधन का परिणाम है जो 1/3 जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है।

भारत की अपेक्षाओं को पूरा करने में कठिनता के कारण

(i) पाकिस्तान द्वारा लगातार संगठन की बैठकों में कश्मीर समस्या के अंतर्राष्ट्रीयकरण ने

[2] चीन द्वारा SCO को अपनी केंद्रियता में संचालित करने का प्रयास किया गया।

[3] आतंकवाद, की बढ़ती घटनाओं

(5) भारत के पश्चिम देशों के संबंधों को संतुलित करने की कठिनाईया।

(6) SCO बैठकों का नियमित नहीं होना।

## उपाय

(1) द्विपक्षीय मुद्दों की बजाय क्षेत्रीय हितों को महत्व देना

(2) शक्ति का लोकतंत्रीकरण संगठन के स्तर पर करना।

SCO का गठन क्षेत्रीय हित को बढ़ावा देगा व भारत के राष्ट्रीय हित साधने का अवसर।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

20. संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकी (iCET) पर हाल ही में संपन्न पहल, प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में इनकी साझेदारी में लंबे समय से प्रतीक्षित परिवर्तन का वादा करती है। परीक्षण कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
The recently concluded initiative on Critical and Emerging Technology (iCET) between the United States and India promises a long overdue transformation of their partnership in the field of technology. Examine. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

संयुक्त राष्ट्र अमेरिका व भारत के बीच हाल ही में महत्वपूर्ण व उभरती प्रौद्योगिकी पर पहल की गई है जिससे औद्योगिक क्रांति 4.0 की क्षमता का दोहन संभव होगा व अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी को बढ़ावा मिलेगा।

लाभ

(i) भारत को USA के प्रौद्योगिकीय ज्ञान, तकनीक, प्रबंधन, अनुभव का लाभ।

(2) भारतीय वैज्ञानिकों व कार्यबल को प्रशिक्षण का विश्वस्तरीय अवसर

(3) क्रिटिकल तकनीक में विशेषज्ञता प्राप्त होगी।

[4] तकनीकी विशेषज्ञता व कूटनीति का लाभ मिलेगा।

[5] आत्मनिर्भर भारत के सपने व विकसित भारत बनाने के विकल्पों में वृद्धि होगी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

# SPACE FOR ROUGH WORK